But, unfortunately, it has been completely ignored while deciding the issue related to development of Wakf properties.

Hence, I demand to the Government to strengthen the Central Wakf Council and save the Wakf properties while taking affirmative action in this regard.

Neglect of hindi language in advertising and broadcasting material being used for Commonwealth Games campaign in the country

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश) : महोदय, यह गर्व की बात है कि हम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन करने जा रहे हैं। इतने बड़े खर्च के बजट के बावजूद इस विशाल आयोजन में एक गंभीर कमी नजर आ रही है। इन खेलों के आयोजन से संबंधित जो भी प्रचार सामग्री, विज्ञापन तथा स्टेडियमों के नाम इत्यादि हैं, वे सभी अंग्रेजी भाषा में लिखाए गए हैं। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे हमारी मातृभाषा हिन्दी न होकर अंग्रेजी हो गई है। विदेशी मेहमान, जो कि दो माह बाद यहां आने वाले हैं, वे यही सोचेंगे कि इस देश की मातृभाषा कदाचित अंग्रेजी है, जबकि जब चीन में ओलंपिक खेल हुए, तो वहां चीनी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग किया गया था, जिसके कारण चीनी भाषा को काफी प्रचार मिला था। मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि हिन्दी के प्रचार-प्रसार का इससे बेहतर अवसर और क्या हो सकता है। तमाम सांसदों, राजभाषा समर्थन समिति, मेरठ इत्यादि संस्थाओं ने सरकार को इस संबंध में कई बार चेताया और ज्ञापन भी सौंपे हैं, परन्तु इस दिशा में अभी तक कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया है। मेरी सरकार से मांग है कि राष्ट्रमंडल खेलों से संबंधित सभी प्रचार सामग्री माध्यमों में हिन्दी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग हो, स्टेडियमों के नाम तथा खेलों से संबंधित अन्य जानकारियां भी हिन्दी में हों। जरूरतानुसार विदेशी मेहमानों की सुविधाओं के लिए हिन्दी भाषान्तरकार एवं अनुवादकों की सेवा भी लेने की तत्काल व्यवस्था की जाए, जिससे हिन्दी के प्रचार-प्रसार को विदेशों में भी पहचान मिले।

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से संबद्ध करता हूं।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से संबद्ध करता हूं।

सुश्री अनुसुइया उइके (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से संबद्ध करती हूं।

श्रीमती बिमला कश्यप सूद (हिमाचल प्रदेश) : महोदय, मै स्वयं को इस विशेष उल्लेख से संबद्ध करती हूं।

Demand to take measures to provide adequate remuneration to the workers engaged in construction and maintenance of mobile towers in the country

सुश्री अनुसुइया उइके (मध्य प्रदेश) : मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सदन एवं केन्द्र सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहती हूं कि देश में बड़ी संख्या में मोबाइल के टावरों की प्रतिदिन स्थापना हो रही है। मोबाईल कंपनियों द्वारा जगह-जगह पर भूमि/भवन किराए पर लेकर उनमें टावर खड़े किए जाते हैं। इन टावरों की देखभाल करने तथा चौकीदार, मरम्मत आदि कार्य के लिए मजदूरों को रखा जाता है। इन मजदूरों को बहुत कम मासिक मजदूरी, मात्र दो ढाई हजार रुपए, का ही भुगतान किया जाता है, जबकि इनसे 24 घंटे काम लिया जाता है।

साथ ही मोबाइल कंपनियों द्वारा एक ही टावर पर अलग-अलग कंपनियों के उपकरण स्थापित कर लागत में बचत तो कर ली जाती है, किन्तु देश भर में टावर में रात दिन मजदूरी करने वाले करोड़ों मजदूरों को मासिक मजदूरी के रूप में मात्र दो से ढाई हजार रुपए वेतन दिया जा रहा है, जो कि श्रम कानूनों के विरुद्ध है। जब कि उल्लेखित है कि "गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार " में भी 100 रुपए से अधिक की मजदूरी प्रतिदिन देने का प्रावधान किया गया है, किन्तु टावरों मे कार्यरत मजदूरों को चौबीस घंटे की मासिक मजदूरी बहुत ही कम दी जा रही है।

अतएव, मैं केन्द्र सरकार का ध्यान इस ओर दिलाकर अनुरोध करना चाहती हूं कि मोबाइल टावरों में कार्यरत व्यक्ति को शासन के नियमानुसार निर्धारित दर पर मासिक मजदूरी उपलब्ध हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख से संबद्ध करता हूं।

SHRI SAMAN PATHAK (West Bengal): Sir, I associate myself with the Special Mention made by Miss Anusuiya Uikey.